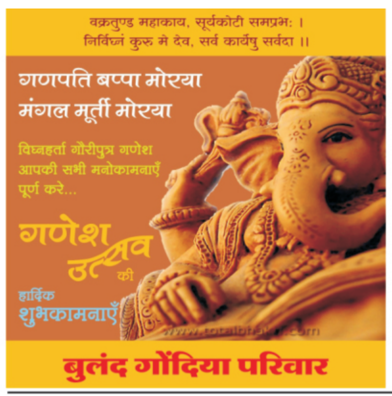

साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 5 । अंक : 04 | गोंदिया : गुरुवार, दि. 5 सितंबर से 11 सितंबर 2024 | ■ पृष्ठ : 4 ■ मूल्य : रु. 5

जंगली सूअर व चितल का शिकार दो भरमार बंदूक मांस सहित चार आरोपी वन विभाग की हिरासत में

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिले के संरक्षित वन क्षेत्र में वन्यजीव शिकार के मामले गत कुछ दिनों में काफी बढ़ गये है, इसी प्रकार के एक शिकार के मामले में अर्जुनी मोरगांव वन परिक्षेत्र अंतर्गत रविवार 1सितंबर को चार आरोपियों को हिरासत में लेकर उनके पास से जंगली सूअर व चितल का कच्चा वह पका हुआ मांस तथा शिकार के उपयोग में लाई गई भरमार (देसी) बंदूक जप्त किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अर्जुनी मोरगांव वन परिक्षेत्र अधिकारी सचिन कटरे को गुप्त जानकारी मिली की तहसील के अंतर्गत आने वाले हैं राजिव नगर निवासी विशाल सहारे के घर में वन्य जीव चितल का मांस है। जिस पर अपने दल के साथ विशाल सहारे के घर में छापामार कार्रवाई किए जाने पर 4 किलो 500 ग्राम वन्यजीव चितल का मांस प्राप्त हुआ तथा उसके घर की तलाशी लिए जाने पर शिकार के लिए उपयोग में ले गए दो लोहे के भाले ,10 नग शिकार के फासे मिले। आरोपी विशाल से कड़ी पूछताछ किए जाने पर उसने जानकारी दिया कि समीप के ग्राम बरड़टोली निवासी बलदेव सिंह धर्मेंद्र सिंह टाक वह अन्य दो लोगों के साथ मिलकर वन्य प्राणियों का शिकार किया गया है। जिस पर बलदेवसिंह के घर पर छापामार कार्रवाई कर तलाशी लिए जाने पर उसके घर से चितल वह वन्य जीव जंगली सूअर का पका हुआ वह कच्चा मांस, दो भरारी (देसी) बंदुक वह शिकार के उपयोग में आने वाला अन्य साहित्य बरामद किया गया जिस पर वन विभाग द्वारा इन चारों आरोपियों को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया।

उपरोक्त करवाई गोंदिया के वन संरक्षक प्रमोद पंचभाई। नवेगांव बांध के वरिष्ठ अधिकारी अविनाश मेश्राम के मार्गदर्शन में वन परिक्षेत्र अधिकारी एस आर कटरे व दल द्वारा की गई।

आरोपियों की बढ़ने की संभावना

प्राप्त जानकारी के आधार पर चार आरोपियों को हिरासत में लिया गया जिनके पास से चितल वह जंगली सूअर का मांस व शिकार के उपयोग में आने वाली बंदूक व अन्य सामग्री जप्त कर जांच शुरू की गई है जिसमें आरोपियों की ओर बढ़ने की संभावना है।

- सचिन कटरे
वन परिक्षेत्र अधिकारी अर्जुनी मोरगांव

पोला पर्व के समय वन्य जीव शिकार में बढ़ोतरी गोंदिया जिले का अधिकांश भाग संरक्षित वन क्षेत्र के वह वन क्षेत्र के अंतर्गत आने से क्षेत्र में वन्य जीवों की संख्या बड़े पैमाने पर बढ़ रही है। उसी प्रकार शिकार का भी प्रमाण बढ़ रहा है तथा ग्रामीण क्षेत्र में होली ,पोला व अन्य त्योहार के समय वन्य जीवों का शिकार करने के मामले बड़े पैमाने पर सामने आते हैं।

अवैध शराब विक्रेताओं की धरपकड़ शुरू, 19 गिरफ्तार

तिरोड़ा-पोला, गणेशोत्सव, ईद-ए-मिलाद के दौरान कानून व्यवस्था एवं सार्वजनिक शांति बनाए रखने के उद्देश्य से तिरोड़ा पुलिस ने अवैध व्यवसाय करने वालों के खिलाफ रविवार को अनेक स्थानों पर छापामार कार्रवाई की। तिरोड़ा परिसर में अवैध शराब विक्रेताओं के अड्डों पर छापा मारकर कुल 19 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों में नसीमा आखोल पठान, रोशनबी इसराईल शेख, ललिता मनोज बरीयेकर, वनमाला भीमराव झाडे, अरूणा संजय बरीयेकर, साबिर रहीम खा पठान, आशिफ शेख, दिलीप घनश्याम बरीयेकर, सुखवंता बाबुराव बरीयेकर, धर्मेंद्र कुवरदास बिंझाडे, पुस्तकला प्रकाश छिपीये, माया प्रकाश बरीयेकर, शीला विनोद खरोले, आशा राजेंद्र भोंडेकर, प्रल्हाद जीवतराम तांडेकर, पूर्णा जीवतराम तांडेकर, कमलेश पन्नालाल तांडेकर, केवल प्रभुदास टेकाम, चेतन छगनलाल जनबंधु का समावेश है।

गणेशोत्सव मंडल चंदा जमा करने के पूर्व ले मंजूरी

बुलंद गोंदिया। जिले में गणेशोत्सव मनाने वाले सभी मंडलों (सार्वजनिक को छोड़कर अन्य) द्वारा आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों के लिए नकद या वस्तु के रूप में कोई धन, सदस्यता या दान एकत्र करने के लिए महाराष्ट्र सार्वजनिक ट्रस्टी अधिनियम, 1950 की धारा 41-सी के तहत सहायक दान ट्रस्ट व्यवस्था) आयुक्त गोंदिया की पूर्व अनुमति लें। इसके लिए व ` ब स ा इ ट www.charity.maharashtra.gov .in पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन या ऑफलाइन आवेदन करने पर सहायक धर्मार्थ आयुक्त गोंदिया द्वारा अनुमति/प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। आवेदन पत्र के साथ जमा किये जाने वाले आवश्यक दस्तावेज- आवेदन पत्र पूर्णत: भरा हुआ होना चाहिए। बोर्ड के सभी सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित प्रस्ताव की एक प्रति। सभी सदस्यों का पहचान पत्र. स्थल के संबंध में भूमि स्वामी का आपत्ति पत्र नगर पालिका/पंचायत समिति/ग्राम पंचायत के प्रशासनिक अधिकारी का आपत्ति पत्र। बिजली बिल की कॉपी. 100 रुपये के स्टाम्प पेपर पर शपथ पत्र। पिछले वर्ष की अनुमति प्रति। पिछले वर्ष का संचित व्यय खाता/ऑडिट रिपोर्ट। कोई भी व्यक्ति जो धारा 41-सी के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए सहायक चैरिटी आयुक्त, गोंदिया की अनुमति के बिना धन, चंदा या दान एकत्र करता है, दोषी पाए जाने पर उसे एक अवधि के लिए साधारण कारावास से दंडित किया जाएगा जिसे तीन महीने तक बढ़ाया जा सकता है या जुर्माने से, जो एकत्र की गई राशि या अंशदान से डेढ़ गुना तक या दोनों से बढ़ाया जा सकता है। संबंधित पुलिस विभाग को सहायक धर्मार्थ आयुक्त गोंदिया की अनुमति के बिना आगे के जुलूस और अन्य मामलों की अनुमति नहीं देनी चाहिए। इसलिए, सभी बोर्डों को सदस्यता एकत्र करने से पहले उचित अनुमति लेनी होगी, सहायक चैरिटी आयुक्त दिशा पजाई ने सूचित किया है।

मरकुडोह में हुआ सीमेंट सड़क निर्माण का भूमिपूजन

सालेकसा-सालेकसा तहसील के सुदूर नक्सल प्रभावित क्षेत्र मुरकुटडोह क्र. 1 में नागरिकों की कठिनाइयों को देखते हुए कई वर्षों से आंतरिक सीमेंट सड़क और सभा भवन के निर्माण की मांग की जा रही थी. पूर्व विधायक संजय पुराम और जिला परिषद अध्यक्ष पंकज रहांगडाले के विशेष प्रयासों से नक्सल क्षेत्र विकास निधि से गांव में सीमेंट सड़क और सभा भवन के निर्माण को 30 लाख रु. की मंजूरी मिली है. तीनों सीमेंट सड़कों के निर्माण का भूमिपूजन क्षेत्र के पूर्व विधायक संजय पुराम के हस्ते किया गया. इस अवसर पर भाजपा तहसील अध्यक्ष व पंस सदस्य गुमानसिंह उपराडे, भाजपा आदिवासी आघाडी तहसील अध्यक्ष सरोज परतेती, पूर्व पंस उपसभापति मनोज विश्वकर्मा, सरपंच जमना मरकाम, ग्रापं सदस्य मुकेश इनवाते, रमन गावडे, नंदलाल इनवाते, माणिकराम कुंजाम, चैतराम मरकाम, भगतराम वरकडे, कुवरलाल उईके, पवन, रामप्रसाद, मंगल धुर्वे, प्रकाश सोहन, ताराचंद, मदन, हौसुला, मिता, खेलन, उर्मिला, संगीता, हीरालाल कोडवाती, विनोद मडावी, सोमा टेकाम, सोहन मरकाम, बिसेन टेकाम, छगन टेकाम, जेठू भलावी व ग्रामीण उपस्थित थे.

जि. प. हाईस्कूल व कनिष्ठ महाविद्यालय काटी में ऑनलाईन डिजिटल पद्धति से स्पर्धा परीक्षा संपन्न

बुलंद गोंदिया। जि. प. हाईस्कूल व कनिष्ठ महाविद्यालय,काटी मे आनंददायीं शनिवार के उपलक्ष में ऑनलाईन डिजिटल पद्धति का उपयोग कर स्पर्धा परीक्षा आयोजित की गई द्य विद्यालय में परिपाठ में प्रति दिन सात सवाल पूछे जाते हैं जिसे विद्यार्थी उसे अपनी कॉपी में लिखते हैं द्य महिने के अंत में ऑनलाईन डिजिटल पद्धति का उपयोग कर स्पर्धा परीक्षा ली जाती है । जिसमे ऑनलाईन माध्यम से कक्षा 5 वी से 12वी तक छात्र स्पर्धा परीक्षा देते है। परीक्षा के पश्चात तुरंत ही परिणाम दिया जाता है। जिससे विद्यार्थियों में स्पर्धा की भावना निर्माण होती है। शासन द्वारा दिये गये डिजिटल बोर्ड एवं टेब का इस परीक्षा में उपयोग किया गया। इस प्रतियोगिता की संकल्पना शाला के शिक्षक श्री उमेश टेंभरे ने की थी । जिसमे प्रथम कु मीना माने,द्वितीय कु.आरोशी तेलासे तृतीय चि. शिवम बाहे रहे। सभी ने ऑनलाईन स्पर्धा परीक्षा का महत्व समझा । छात्र इस पद्धति को लेकरं बहुत खुश दिखाई दिये। प्राचार्य सुनील हरिनखेडे ने Eyes नवीनतम उपक्रम का श्रेय विद्यालय के शिक्षक एवं सभी कर्मचारियों को दिया।

हिंदू हृदय सम्राट छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का राजकोट में घटिया कार्य करने वाले दोषियों पर करें करवाई जिला राष्ट्रवादी कांग्रेस ने निवेदन देकर की मांग

बुलंद गोंदिया। राजकोट किले में स्थापित शिवाजी महाराज की प्रतिमा का घटिया कार्य करने वाले दोषीयो के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर गोंदिया जिला राष्ट्रवादी कांग्रेस द्वारा मनोहर चौक स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर मौन विरोध प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम जिलाधिकारी को निवेदन सांसद प्रफुल्ल पटेल के निर्देशानुसार व पूर्व विधायक राजेंद्र जैन जैन के मार्गदर्शन में देकर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। सिंधु दुर्ग जिले के मालवण स्थित राजकोट किले में गत वर्ष युगपुरुष छत्रपति शिवाजी महाराज की पूर्णकृति प्रतिमा का निर्माण किया गया था, किंतु निर्माण कार्य घटिया स्तर का होने के चलते गत दिनों प्रतिमा क्षतिग्रस्त हो गई। प्रतिमा के क्षतिग्रस्त होने से यह महाराष्ट्र की प्रतिष्ठा को धक्का लगा है तथा यह स्थिति अत्यंत दर्दनाक है, हिंदू हृदय सम्राट छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का निर्माण कार्य करने वाले ने घटिया स्तर का कार्य किया है जिस पर कड़ी कार्रवाई की जाए। तथा राजकोट किले पर युग पुरुष व भारतीय नौसेना के जनक छत्रपति शिवाजी महाराज के गौरवशाली शौर्य का इतिहास बताने वाली स्मारक व प्रतिमा का पुन: निर्माण किया जाए। निवेदन देते समय प्रेम रहांगडाले, विनोद हरिनखेड़े, नानू, केतन तुरकर, रफीक खान, माधुरी नासरे, विशाल शेंडे, राजू एन जैन, अखिलेश सेठ, योगेन्द्र भगत, प्रेम जायसवाल, सतीश देशमुख, विनीत सहारे, सुनील भालेराव, अशोक सहारे, किरण पारधी, सोनवणे, करण टेकाम, झनकलाल ढेकवार, विजय राहंगडाले, गोविंद लीचड़े, हितेश पतेह, पंकज चौधरी, विनोद कोहपारकर, सौरभ जयसवाल, प्रशांत सोनपुरे, कपिल बावनथड़े, सुनील पाटले, शैलेश वासनिक, कृष्ण कुमार जयसवाल, नागोन बंसोड़, आरडी अग्रवाल, राजू येडे , कान्हा बाघेले, अनुज जयसवाल, राज शुक्ला, भागेश बिजेवार, दर्पण वानखेड़े, शरभ मिश्रा, श्रेयश खोबरागड़े, अविनाश महावत, कुणाल बावनथड़े, वामन गेडाम, नरेंद्र बेल्गे सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

निलेश अग्रवाल अग्रसेन स्मारक समिति के अध्यक्ष निर्वाचित

बुलंद गोंदिया। अग्रसेन स्मारक समिति गोंदिया के अध्यक्ष पद का आगामी त्रिवार्षिक2024-2027 तक कार्यकाल के लिए रविवार 1 सितंबर को अग्रसेन भवन में चुनाव संपन्न हुआ। जिसमें निलेश निलेश (पिंटू दिल्लीवाला) विमल अग्रवाल भारी मतों से निर्वाचित हुए। गौरतलब है की अग्रसेन स्मारक समिति के अध्यक्ष पद का आगामी त्रिवार्षिक2024-2027 तक कार्यकाल के लिए चुनाव में निलेश (पिंटू) विमल अग्रवाल व अपूर्व मधुसूदन अग्रवाल आमने-सामने थे, जिसमें नीलेश अग्रवाल 163 मतों से विजय हुए। अग्रसेन स्मारक समिति के 1 हजार 416 मतदाताओ में से 1हजार 171 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया व 82त्न मतदान हुआ। जिसमें निलेश पिंटू अग्रवाल को 667 मत वह अपूर्व अग्रवाल को 504 मत प्राप्त हुये। व 163 मतों से निलेश अग्रवाल को विजय घोषित किया गया। मतदान की प्रक्रिया सुबह 9:00 बजे अग्रसेन भवन में शुरू की गई शुरू हुई तथा 4:00 बजे तक मतदान किया गया 4:00 बजे के पश्चात मतगणना की गई 5:30 बजे परिणाम घोषित किए गए। शांतिपूर्ण वातावरण में चुनाव संपन्न अग्रसेन स्मारक समिति के चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी अग्रसेन स्मारक समिति के चुनाव अधिकारी के रूप में मुख्य चुनाव अधिकारी दिनेश दादरीवाल व सीताराम अग्रवाल (महालक्ष्मी), चुनाव अधिकारी सुशील सिंघानिया ,चुनाव समिति के सदस्य में निरंजन अग्रवाल, पंकज अग्रवाल (अन्नपूर्णा), दिनेश अग्रवाल(गीता राइस मिल), मनीष अग्रवाल, रितेश अग्रवाल, राम अग्रवाल के साथ अन्य कर्मचारीयों ने चुनाव को सफलतापूर्वक व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करते हुए मतगणना कर चुनावी परिणाम घोषित किया।

गणेशोत्सव मंडल करे कीट-जनित बीमारियों पर जागरूकता गतिविधियाँ - डॉ. विनोद चव्हाण, जिला मलेरिया अधिकारी

बुलंद गोंदिया। गणेशोत्सव मंडल त्योहार अवधि के दौरान विभिन्न गतिविधियां करते हैं। इस वर्ष जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. विनोद चव्हाण ने जिले के गणेश मंडलों से सामाजिक गतिविधियों के साथ-साथ कीट जनित बीमारियों के खिलाफ जागरूकता गतिविधियों पर जोर देने की अपील की है। गोंदिया राज्य के सर्वाधिक आदिवासी एवं वनों से आच्छादित जिले के रूप में जाना जाता है। गोंदिया जिला चावल की खेती के लिए प्रसिद्ध है। चावल की खेती के लिए पानीदार मिट्टी की आवश्यकता होती है और गोंदिया जिला झीलों के जिले के रूप में अपनी एक अलग पहचान रखता है। साथ ही, जंगली इलाकों, घनी झाड़ियों के कारण यहां मच्छरों और मच्छरों के लार्वा के लिए उपजाऊ वातावरण है जिले में बारह महीने सर्दी बुखार के मरीज सामने आ रहे हैं, इसलिए सर्दी बुखार को फैलने से रोकना है तो मच्छरों के साथ-साथ मच्छरों के लार्वा को भी नष्ट करना जरूरी है।चूंकि जिले में भारी मात्रा में बारिश हुई है, इसलिए मच्छरों के प्रजनन स्थलों में वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप जिले में कीट जनित बीमारियों की घटनाओं में वृद्धि हुई है जिले की गणेशोत्सव आयोजन समिति शहर और ग्रामीण स्तर पर कीट जनित बीमारियों डेंगू, सर्दी बुखार, दिमागी बुखार और चिकनगुनिया के प्रति जनजागरूकता बढ़ा रही है, ताकि नागरिक उत्सव के दौरान जब गणेशजी हों पूजा-अर्चना करने से उन्हें कीट रोगों के बारे में जानकारी मिलेगी और कीट रोगों के नियंत्रण में मदद मिलेगी।

शहरी क्षेत्रों के गणेशोत्सव मंडलों के पास एलसीडी स्क्रीन उपलब्ध है और मंडल जिला शीतकालीन प्रशासन के माध्यम से वीडियो चलाकर संबंधित बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाने की अपील कर रहे हैं, एक सामाजिक प्रतिबद्धता के रूप में, गणेश मंडल को गणेश मंडप में ऑडियो और वीडियो सीडी भी जारी रखनी चाहिए मंडप में सर्दी बुखार और डेंगू से बचाव के लिए क्या किया जा सकता है, इसकी विस्तृत जानकारी वाला बैनर लगाने की अपील की जा रही है। बढ़ते शहरीकरण, जीवनशैली में बदलाव और दोषपूर्ण जल प्रबंधन के कारण जिले में सर्दी बुखार और डेंगू की गंभीरता बढ़ रही है, इसलिए नागरिकों के लिए स्वयं सावधानी बरतना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नितिन वानखेड़े ने अपील की है कि वे स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन पर निर्भर रहने के बजाय, जलस्त्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए सावधानी बरतें. नागरिकों की नैतिक जिम्मेदारी के रूप में डेंगू के प्रसार को रोकने के लिए क्षेत्र की साफ-सफाई पर ध्यान देना जरूरी है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहा है, लेकिन जल भंडारण स्थानों को नष्ट करना हमारे हाथ में है . इसके अलावा मच्छरों को काटने से रोकने के लिए शरीर पर मच्छर रोधी मलहम लगाना, मच्छरदानी का उपयोग करना, पूरे शरीर पर कपड़े पहनना, सप्ताह में एक सूखा दिन रखना आदि उपाय किए जा सकते हैं। इसके अलावा, यह भी बताया गया है कि यदि व्यक्तिगत और घरेलू स्वच्छता बनाए रखी जाए तो डेंगू और गंदगी से होने वाली कई अन्य बीमारियों से बचा जा सकता है।

संपादकिय...

शहरों का आर्थिक वजूद

बहस के विषयों में राजनीतिक नापतोल अक्सर उचित-अनुचित पर गौर न करके, संभावनाओं की मर्यादा को गौण कर देता है। प्रदेश में आर्थिक संकट पर विधानसभा के मुख्य द्वार पर एक महीन सी लक्ष्मण रेखा है, जो हर वाकआउट के तर्क में आर्थिक विडंबनाएं देखती है। प्रश्नकाल के सवाल पर प्रदेश का हाल देखती है। बजट में अकाल और खर्च में भूचाल देखती है। सवाल यह कि हिमाचल ने अपनी अर्थव्यवस्था को न देखा और न ही जानने की कोशिश की। केंद्र की नीतियों के सहारे 'हम डबल इंजन सरकार' बनकर तो लंबे समय तक नहीं जीत सकते। ऐसे में उजड़े दरख्त के नीचे घास को भी रोना आता होगा, लेकिन सियासत जब उखड़ती है तो हिमाचल की आपदा में प्रधानमंत्री का दौरा भी नसीब नहीं होता। खैर राजनीति से इतर भी हमने प्रदेश की मिट्टी को इतना लाल कर दिया है कि राज्य के प्रयास भी केंद्र की मुखबिरी करते हैं। हम उसी एहसास में जीते हैं या जीने की कोशिश करते हैं जो केंद्र से रहमत बनकर मिलते हैं। बड़ा जोश और जोर है जब मनाली या शिमला से निकलते फोरलेन चंडीगढ़ का कम समय में आलिंगन करते हैं। यह जरूरी रफ्तार हो सकती है, लेकिन इतनी भी जरूरी नहीं कि बिलासपुर, कुल्लू या मंडी जैसे शहरों को दरकिनार करते हुए निकल जाए। कल पठानकोट से मंडी के बीच यात्रा का समुद्र ज्वारभाटा बनेगा, तो नूरपुर, शाहपुर, कांगड़ा, नगरोटा बगवां, बैजनाथ व जोगिंद्रनगर जैसे शहरों के व्यापार का बागवां कहां बचेगा। तरक्की के अपने आईने हैं और यह वक्त की आवश्यकता के अनुरूप बनते व संवरते हैं, लेकिन हर विकास को समझने की जरूरत है। फोरलेन से बाइपास हो रहे शहरों की आर्थिकी का अध्ययन करने के लिए शहरी विकास मंत्रालय की योजना में कुछ तो चिंता होनी चाहिए। कुल्लू शहर की गलियों में आज होटल उदास हैं या व्यापार फिक्रमंद है, तो कुछ नए बंधन की जरूरत है। अंततः व्यापारी को निवेशक का दर्जा देते हुए फोरलेन के दर्द को उजड़ते शहरी आर्थिकी में समझना होगा। बेशक फोरलेन पर काफिला नई अर्थव्यवस्था लेकर आएगा, लेकिन जहां मंजिलें उजड़ रही हैं, उनके लिए भी उपचार चाहिए। इससे पूर्व प्रदेश में शिक्षा व चिकित्सा की दौड़ में जब बड़े सपने देखे गए, तो हम दौड़ते-दौड़ते यह भूल गए कि कुछ तो पहले भी असर था। यानी हमने कालेजों की दौड़ को विश्वविद्यालय के प्रांगण में ले जाकर खत्म कर दिया। मेडिकल कालेजों की तादाद में क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों की आहुति दे डाली। आईजीएमसी के कंधों पर टीएमसी बैठाया, तो आसपास के कई हॉस्पिटल डिस्पेंसरी से भी बदतर साबित हो गए। टीएमसी कभी चंबा मेडिकल कालेज के रोग को थामता, तो कभी हमीरपुर मेडिकल कालेज की लाज बचाता, अंततः डाकिया बन गया, जहां कभी शांता कुमार जैसे दिग्गज नेता को विश्वास करके अपनी धर्मपत्नी का साथ गंवाना पड़ा था। निश्चित रूप से ये फोरलेन जब हमें दौड़ाएंगे, तो हम अपने बच्चों को शिक्षा के लिए किसी अन्य राज्य में प्रवेश दिलाएंगे।

आत्महत्या समस्या का हल नहीं, कमजोरी है-विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस विशेष 10 सितंबर 2024

आत्महत्या कभी भी, किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि आत्महत्या एक अपराध है। समस्याओं से भागना कमजोरी है, सभी प्राणियों में सबसे बुद्धिमान मनुष्य है, लेकिन पूरी दुनिया में मनुष्य के अलावा कोई भी जानवर या जीव आत्महत्या नहीं करता। जब एक प्राणी भी अपने जीवन के अंत तक संघर्ष करता है, तो आज के आधुनिक समाज में सुविधा संपन्न व्यक्ति आत्महत्या क्यों करता है, यह पूरी तरह से अनुचित है। जीवन में हर व्यक्ति का संघर्ष दूसरों को बेहतर जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है। असफलता हमें सिखाती है कि क्या नहीं करना चाहिए। दुख है तो सुख भी है, नफरत है तो प्रेम भी है, असत्य है तो सत्य भी है, बुराई है तो अच्छाई भी है। हर दिन एक जैसा नहीं होता, परिवर्तन संसार का नियम है। पशु-पक्षी, जीव-जन्तु कभी निराश नहीं होते, जब तक जीवन है, तब तक काम करते हैं, जब वे कठिनाइयों का सामना करते हैं तो उनकी मदद करने वाला तक कोई नहीं होता।

आत्महत्या से वैश्विक स्तर पर हर साल 7 लाख से अधिक मौतें होती हैं। आत्महत्या से घर परिवार, समुदाय पर गहरा प्रभाव पड़ता है। घर के किसी व्यक्ति के जाने के बाद उसकी कमी कोई पूरी नहीं कर सकता। आत्महत्या से परिवार के लोगो को आर्थिक, मानसिक, सामाजिक पीड़ा सहनी पड़ती है। इस साल 2024 से 2026 तक के लिए विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस का त्रिवार्षिक थीम बातचीत शुरू करने के आह्वान के साथ आत्महत्या पर कथा बदलना है। इस थीम का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और आत्महत्या की रोकथाम के बारे में खुली बातचीत को प्रोत्साहित करना है। चुप्पी और कलंक की संस्कृति से खुलेपन, समझ और समर्थन की संस्कृति में बदल सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन अनुसार, जितने लोग आत्महत्या करते है उससे 20 गुना अधिक लोग आत्महत्या का प्रयास करते हैं, दुनिया में औसतन हर 40 सेकंड में आत्महत्या से एक मौत और हर 3 सेकंड में एक आत्महत्या का प्रयास है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के आधार पर छात्र आत्महत्या : भारत में फैलती महामारी रिपोर्ट 2024 अनुसार, हर साल आत्महत्याओं में 2 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है और चौंकाने वाली बात है कि छात्र आत्महत्याओं में 4 प्रतिशत की वृद्धि हुयी है। दुनिया में सबसे ज्यादा आत्महत्याएं भारत में होती हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में 171,000 लोग आत्महत्या से मर गए, जिसमें 2021 की तुलना में 4.2% की वृद्धि और 2018 की तुलना में 27% की वृद्धि दर्ज की गई। एक लाख पर आत्महत्या की दर 12.4 हो गई है, जो बहुत अधिक है। 2022 में देश में 1.7 लाख आत्महत्या से होने वाली मौतों में से 13.3% के साथ, महाराष्ट्र राज्य देश की आत्महत्या राजधानी के रूप में शीर्ष पर है। महाराष्ट्र राज्य के राहत और पुनर्वास विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल महाराष्ट्र राज्य में 2,851 किसानों ने वित्तीय संकट के कारण आत्महत्या करके अपनी जान दे दी। 2022 में यह संख्या बढ़कर 2,942 हो गई, जबकि 2021 में यह 2,743 थी।

सरकारी अधिकारियों की गलतियों, लापरवाही और भ्रष्टाचार के कारण कई दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें हमेशा जान-माल की हानि होती है, ऐसी दुर्घटनाओं में हर साल बड़ी संख्या में लोग मारे जाते हैं, फिर भी दोषी अधिकारी ये अपराधी होकर भी आत्मग्लानि में नहीं जलते और आत्महत्या नहीं करते, फिर हम क्यों छोटी-छोटी बात पर अपना आपा खो देते है। मनुष्य की बुराइयों ने आज जीवन को कठिन बना दिया है, क्योंकि मनुष्य के लालच और स्वार्थ ने समस्याएं पैदा कर दी हैं। झूठा दिखावा, लोगों से अत्यधिक अपेक्षाएं या ज्यादा भरोसा, घमंड, नशे की लत, संस्कार की कमी, गलत संगत, कथनी-करनी में अंतर, अनियंत्रित भावनाएं, मेहनत की कमी, आलस्य, कमजोर महसूस करना, जल्दी हार मानना, संतुष्टि की कमी ये सब मानव निर्मित समस्याएं हैं, जो मृत्यु का कारण भी बनती है। जो जीत हासिल करना जानते है, उन्होंने ही दुनिया में इतिहास रचा है, क्योंकि उन्होंने संघर्ष किया है, अपना लोहा मनवाया है।

जिंदादिली का सबसे बड़ा उदाहरण हमारे देश के नेता हैं, हमें उनसे सीखना चाहिए कि हर कठिन परिस्थिति में सकारात्मक सोच कैसे रखनी चाहिए। चुनाव जीते-हारे, दलबदल, घोटालों का गंभीर आरोप लगे या उन पर केस हो, जेल जाना पड़े, मंत्रीपद छोड़ना पड़े, गठबंधन टूट जाए, प्रतिद्वंदियों से हाथ मिलाना पड़े, लेकिन नेता हमेशा तनाव को नियंत्रित रखते है, हर हाल में जनता को सकारात्मक वादे करते हैं और खुद भी स्वस्थ बने रहते हैं। चुनाव के दौरान वह बारिश और धूप में लगातार रैली करते है, यहां तक कि कम नींद लेकर भी अपनी ऊर्जा बनाये रखते है। उम्र का उन पर ज्यादा असर नहीं दिखता, वे हर दिन 12-14 घंटे व्यस्त रहते हैं। मुश्किल प्रसंग में भी आत्महत्या के बारे में नहीं सोचते, यह आदतें, व्यवहार, बातें हम सभी को सीखने की जरूरत है।

इंसानी जज्बे, बुलंद हौसले और जुनून की अनूठी मिसाल माउंटेन मैन दशरथ मांझी जो बिहार के ग्रामीण क्षेत्र के अतिसामान्य गरीब बुजुर्ग व्यक्ति, जिन्होंने अकेले लगातार 22 साल हथोड़े छेनी के मदद से पहाड़ काटकर रास्ता बनाया। लोग पहले उन्हें पागल कहते थे, लेकिन उन्होंने पूरी दुनिया में इतिहास रच दिया। धुप, बारिश, तूफान हर मौसम की चुनौतियों को पार कर एक वयोवृद्ध व्यक्ति ने असंभव को संभव बना दिया। जरा सोचकर देखो कि इन 22 सालों में उन्हें कितनी तकलीफें सहनी पड़ी होगी, लेकिन उनका लक्ष्य केवल एक था, वे अपने लक्ष्य से कभी विचलित नहीं हुए, न कभी हिम्मत हारी। इसे कहते है सकारात्मक सोच का जज्बा।

पैरालंपिक में दुनिया के दिव्यांग खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ कौशल दिखाते हैं और देश के लिए पदक जीतकर देश का मान बढ़ाते हैं। स्टीफन विलियम हॉकिंग जैसे कई वैज्ञानिकों ने अपनी विकलांगता को कमजोरी नहीं बनने दी, उन्होंने नई खोज कर इतिहास रचा है। मनुष्य को कभी भी अपने आप को कमजोर नहीं समझना चाहिए और ना ही कभी हार माननी चाहिए। इस अनमोल जीवन को खुशी से आखिरी सांस तक हर परिस्थिति में मुस्कुराते हुए जीना है। सारी दुनिया की दौलत खर्च करने के बाद भी हम एक पल की जिंदगी भी खरीद नहीं सकते। अनमोल जीवन का मूल्य समझें। छोटीसी चींटी भी बार-बार असफल होने के बाद भी प्रयास नहीं छोड़ती है, हार नहीं मानती, फिर से प्रयास कर सफल होती हैं, तो फिर कोई व्यक्ति आत्महत्या जैसा अपराध क्यों करता है?

दुनिया में हमसे भी ज्यादा लोग संघर्ष करते है। गुस्से या आवेश में आकर जल्दबाजी में कभी कोई निर्णय न लें, खुशी या भावनाओं में बहकर कोई भी वादा न करें। कोई भी अनुचित निर्णय लेने से पहले उसके परिणाम, अपनों पर प्रभाव, भविष्य पर विचार करें। लोगों से ज्यादा उम्मीदें न लगाएं, झूठे दिखावे से बचें, अपनी मर्यादाओं को पहचानें। बच्चों को अच्छे-बुरे की समझ दें, बुजुर्गों और महिलाओं का आदर, कमजोरों की मदद, नशे से दूरी, संस्कार, न्याय और एकता की सीख बच्चों को बचपन से मिलनी चाहिए। हेल्दी हॉबी, परोपकारिता, व्यायाम, प्रकृति और पशुओं से प्रेम, समाज और देश के प्रति नैतिक जिम्मेदारी, अच्छे काम के लिए श्रमदान करने से हमें परिपक्वता, सुजान नागरिक और समाधानी बनने में मदद मिलती है। ऐसे दिनचर्या और जीवनशैली से हम हमेशा सुखद वातावरण का अहसास करते है, सकारात्मक विचारशक्ति बढ़ती है, तनाव मुक्त जीवन जीने का यह आसान तरीका है।

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

किसानों को 3 फसलों के लिये सिंचन सुविधा, 24 घंटे शुध्द पेयजल मिलें यही मेरे जीवन लक्ष्य- पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल

गोंदिया -गोंदिया विधानसभा के ग्राम रावणवाडी में 60 लाख रू. लागत से निर्माणाधीन राजाभोज चौक-बौध्द विहार चारगांव रोड एवंम होली टेकरा चौक-बालाघाट रोड रस्ता सिमेंटीकरण बांधकाम का भुमिपुजन पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के शुभ हस्ते, सरपंच शिलाताई वासनिक, जिप सदस्य रितेश मलगाम, गर्रा पंस सदस्य सुनिताताई दिहारी, तालुका भाजपा अध्यक्ष धनलालभाऊ ठाकरे, उपसरपंच पन्नालाल हरिणखेडे, पुर्व पस सभापती माधुरीताई हरिणखेडे, गेदलाल शरणागत, पूर्व पस उपसभापती मनिष मेश्राम की प्रमुख उपस्थिती में संपन्न हुआ ।कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए ग्राप सदस्य महेश गजभिये ने कहा कि, आज ग्राम रावणवाडी के विकास में पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने एक और विकास कार्य जोड दिया है। ग्राम और संपूर्ण गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के इसग्रामीण अंचल के सुरक्षा व्यवस्था को चुस्त-दुरूस्त करने के लिये उन्होंने ग्राम में पोलीस थाने की स्थापना करा दी और अब उक्त पोलीस थाना गर्रा मार्ग पर भव्य इमारत में कार्यरत है और नागरीकों को सेवाए दे रहा है। रावणवाडी का प्राथमिक आरोग्य केन्द्र का नवनिर्माण उनकी देन है, ग्राम में भव्य पटवारी-मंडल अधिकारी भवन, भव्य स्वागत द्वारा उनके प्रयत्नों से संभव हो सका। गोंडीटोला में भी उन्होंने आरोग्य उपकेन्द्र की स्थापना कराकर नागरीकों को राहत देने का काम किया और आज 60 लाख रूपये लागत से सिमेंट रस्तों का निर्माण उनके प्रयत्नों से होने जा रहा है ।उपसरपंच पन्नालाल हरिणखेडे ने कहा कि, चाबी आमदार रूपी ठेकेदार द्वारा गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के गांव-गांव में अनावश्यक-अनुपयोगी पेयजलसी योजना थोपी गई है और योजना के लिये हर रस्ते को तोडा गया, जिसकी दुरुस्ती तक नहीं गई । राजाभोज चौक से चारगांव रोड तक के रास्ते की हालत स्वंय गोपालदासजी अग्रवाल ने देखी और हमारे अनुरोध पर उन्होंने इस सडक के नवनिर्माण के लिये निधी उपलब्ध करायी। उनके माध्यम से पोलीस थाना, आरोग्य केन्द्र, स्वागत द्वारा आदि का निर्माण तो हुआ ही हुआ, साथ-साथ उन्होंने रजेगांव-काटी उपसा सिंचन योजना का निर्माण कर पुरे क्षेत्र के किसानों को सिंचन के लिये सुविधा देकर उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बनाने का काम किया है, जो उनसे पहले या उनके बाद किसी आमदार नहीं किया ।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुर्व पंस सभापती माधुरीताई हरिणखेडे ने कहा कि, महाराष्ट्र में अब 6 राजनैतिक पार्टीयां हो गई है और गोंदिया विधानसभा क्षेत्र में अनेकों खासदार, आमदार एवंम विधान परिषद सदस्य अपने-अपने वर्चस्व का दावा करते है, लेकिन आम नागरीक के हित में केवल गोपालदासजी अग्रवाल को ही काम करते देखा है। चाहे रजेगांव-काटी उपसा सिंचन हो या तेढवा-सिवनी उपसा सिंचन योजना, चाहे रावणवाडी-अर्जुनी मार्ग पर नहर पर बडा पुल हो या साप्ताहिक बाजार मैदान पर भव्य पानी टंकी इस रावणवाडी और इस गोंदिया विधानसभा क्षेत्र में गोपालदास अग्रवाल के काम बोलते है, किसी अन्य आमदार-खासदार-विधान परिषद आमदार के काम दिखाई तक नहीं देते और इसीलिये हमारे जैसे अनेकों सामाजिक कार्यकर्ता उनके सिपाही के रूप में उनके साथ खडे रहने का काम करते रहे है और आगे भी करते रहेंगे। पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने कहा कि, गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के हर नागरीक को विकास के माध्यम से लाभान्वित करने का प्रयत्न हमने किया, जिसमें ईश्वर के आशिर्वाद और सभी नागरीकों के प्रेम से सफलता मिलती चली गई। 1947 से 2004 तक आजादी के 57 सालों में सरकार ने इस पुर्वी विदर्भ के धान उत्पादक किसानों की कभी सुध नहीं ली, हमने क्षेत्र के धान उत्पादक किसानों की समस्याओं को सरकार के समक्ष जोरदार दंग से उठाया और पहली बार 2004 में तत्कालीन मुख्यमंत्री सुशिलकुमार शिंदे से हमने धान उत्पादक किसानों को 295 रू. एकडी बोनस दिलाया, जो आज समय के साथ बढ़ते-बढ़ते 15000 रू. हेक्टरी हो गया। गोपालदास अग्रवाल ने आगे कहा, किसानों को 3 फसले निकालने लायक सिंचन सुविधा और 24 घंटे शुध्द पेयजल पुर्ती उपलब्ध कराना मेरे जीवन का लक्ष है, जिसे पुरा करने के लिये हमें धापेवाडा सिंचन प्रकल्प का पानी काम नहीं आयेंगा, हमें बाघ नदी पर डांगोरली ग्राम के समीप भव्य बंधारे बनाकर गोदिया विधानसभा क्षेत्र का स्वंय का जलस्त्रोत भंडार बनाना है और इस कार्य को पुरा करने के लिये आगामी विधानसभा चुनाव में मैं पुन: आपके पास मतदानरूपी आशिर्वाद मांगने आ रहा हूँ।

स्वास्थ्य विभाग ने किया जनजागरण

डेंगू, मलेरिया से बचाव के लिए परिसर स्वच्छ रखें

गोंदिया-डेंगू, मलेरिया, वायरल बुखार एक कीट जनित बीमारी है और सबसे गंभीर बीमारियों में से एक है, जिससे गर्भवती महिलाओं और बच्चों को सबसे ज्यादा खतरा होता है. इससे बचाव के लिए नागरिकों को स्वच्छता का पालन करने के साथ-साथ अपने घर और आसपास परिसर को स्वच्छ रखे, ऐसा आह्वान जिला स्वास्थ्य अधिकारी डा. नितीन वानखेड़े ने किया है. स्वास्थ्य विभाग की ओर से डेंगू, मलेरिया जैसे संक्रामक बीमारियों को फैलने से रोकने के लिए मच्छर के लार्वा सर्वेक्षण व गप्पी मछली प्रजनन केंद्र की स्थापना की गई है. इसके साथ ही स्वास्थ्य कर्मचारियों के माध्यम से कीट वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराकर जनजागरूकता की जा रही हैं. जलभंडारों व टैंकों के उपयोग का निरीक्षण किया जा रहा हैं. जिन कंटेनरों में मच्छर के लार्वा पाए जाते हैं, उनमें मच्छर कृमिनाशक दवाएं मिलाई जा रही हैं और छोटे कंटेनरों को खाली किया जा रहा है. जिला मलेरिया अधिकारी डा. विनोद चव्हाण ने कहा कि, डेंगू, मलेरिया एक कीट जनित बीमारी है और सबसे गंभीर बीमारियों में से एक है, जिससे गर्भवती महिलाओं और बच्चों को सबसे ज्यादा खतरा होता है. इसलिए आवश्यक सावधानी बतरने का आह्वान किया गया है. ऐसे करें उपाय मच्छरों के संक्रमण को पूरी तरह से रोकने के लिए सभी पानी की टंकियों और पानी से भरे बर्तनों को ठीक से ढाकना चाहिए. इमारत की छत व क्षेत्र में अनावश्यक पानी जमा नहीं होने देना चाहिए. व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए मच्छरदानी, मच्छर निरोधक, मलहम, अगरबत्ती, नारियल के छिलके, टायर, फूलदान, कूलर के उपयोग से पानी जमा नहीं होने देना चाहिए. इसी तरह सप्ताह में एक दिन शनिवार को ड्राई डे के रूप में मनाया जाए. घर के चारों ओर नालियों की सफाई करना, बायोगैस में जलता हुआ तेला या मिट्टी का तेल डालना, कीड़ों से होने वाली बीमारियों के बारे में जन जागरूकता करना, गंदा पानी, नालियों का उचित निपटान, मच्छरों के प्रजनन स्थानों को नष्ट करना, ग्राम पंचायत के माध्यम से गड्डों को भरना, गप्पी मछलियां, अनावश्यक रूप से धुआं फैलाना, कार्यक्रम में स्वयंसेवी संस्थाओं, आशा कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, निजी अस्पतालों को सामिला करना, आदि उपाय करें.

वरिष्ठों की हुई स्वास्थ्य जांच

गोंदिया-आज के 40-60 वर्ष के कामकाजी आयु वर्ग में परिवार के बुजुर्ग सदस्यों/माता-पिता के स्वास्थ्य की देखभाल करना एक वास्तविक चुनौती बन गया है, इसी तरह असली सवाल यह है कि हमारे घर में बुजुर्ग मरीजों की देखभाल कैसे की जाए जो वास्तव में मानसिक रूप से पीड़ित हैं और शारीरिक समस्याओं से ग्रस्त है. ऐसे मरीजों की देखाभाल कैसे की जाए. दरअसल बुजुर्गों की संख्या में बढ़ोतरी के पीछे कई कारण हैं जिनमें विस्तारित जीवन. पारिवारिक संरचना, स्वास्थ्य समस्याएं आदि शामिल हैं. प्राकृतिक उम्र बढ़ने के दौरान निम्नलिखित परिवर्तन होते हैं: सभी इंद्रियों के कार्य में कमी, शरीर में झुर्रियां, पाचन तंत्र में पाचक रसों की कमी, मूत्र उत्पादन में वृद्धि, स्वाद, गंध और स्पर्श की भावना में अंतर, सुनने की शक्ति में परिवर्तन, यौन स्वास्थ्य, महिलाओं में रजोनिवृत्ति, नींद की गड़बड़ी, सामाजिक कार्यों में कम भागीदारी, भावनात्मक असंतुलन, वित्तीय निर्भरता आदि ये परिवर्तन विशेष रूप से खतरनाक नहीं हैं.

हथोड़ी मारकर किया घायल

गोंदिया -सुभाष वार्ड, सावराटोली निवासी फिर्यादी आशीष अमृतलाल जनेवार (40) अपने आरोपी जीजा सोनबिहरी निवासी भुपेंद्र राधेलाल लिल्हारे (41) की समझाइश करने गया था. इसी बीच आरोपी ने फिर्यादी को मेरे दोस्तों के सामने मेरी इज्जत खराब की. ऐसा कहते हुए लोहे के हथोड़ी से सिर पर मारकर घायल कर दिया.

भेड़ियों ने किया तबेले में बंधी 3 बकरियों का शिकार

लाखांदुर- रात के दौरान शिकार की खोज में गांव में घुसे कुछ भेड़ियों ने तबेले में बंधी बकरियों पर हमला कर कुल 3 बकरियों के शिकार की घटना हुई. उक्त घटना 31 अगस्त को सुबह के दौरान तहसील के दोनाड़ गांव में सामने आयी हैं. इस घटना में दोनाड निवासी भूमेश्वर नाकाडे नामक पशुपालक के लगभग 20,000 रुपए के बकरियों की मौत हुई है. ग्रामीण क्षेत्र के किसान एवं मजदूरों द्वारा खेती से पूरक व्यवसाय के रूप में पशुपालन किया जाता है. घटना के पीड़ित व्यक्ति भी पिछले कुछ वर्षों से बकरियों के पालन का व्यवसाय कर रहे थे. घटना के एक दिन पूर्व पीड़ित पशुपालक ने कुछ बकरियों को मालिकी तबेले में बांधकर रखी थी. इस बीच रात के दौरान जंगल से भटककर गांव में घुसे कुछ भेड़ियों ने तबेले में बंधी बकरियों पर हमला बोल दिया. इस हमले में भेड़ियों ने कुल 3 बकरियों का शिकार किया.

बेटी बचाओ, बहन बचाओ, महाराष्ट्र बचाओ एनएसयूआई का राज्यव्यापी हस्ताक्षर अभियान शुरू, बदलापुर घटना के बाद एक बड़ा कदम

बुलंद गोंदिया। महाराष्ट्र की नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने दिनांक 28 अगस्त से बेटी बचाओ, बहन बचाओ, महाराष्ट्र बचाओ राज्यव्यापी हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की । यह अभियान ठाणे जिले के बदलापुर स्थित आदर्श विद्यालय में 2 चार वर्षीय बच्चियों के साथ हुए यौन शोषण की गंभीर घटना के जवाब में शुरू किया गया है। इस अभियान कि शुरुवात गोंदिया जिला एनएसयूआई द्वारा दिनांक 1 सितंबर को तिरोड़ा तहसील के ग्राम पंचायत भबोडी में आयोजित कार्यक्रम में कि गई। कार्यक्रम का आयोजन एनएसयूआई तिरोड़ा तहसील अध्यक्ष अनुराग पंधरे, तिरोडा - गोरेगांव विधानसभा युवक कांग्रेस उपाध्यक्ष राकेश अटराहे द्वारा किया गया । एनएसयूआई गोंदिया जिला अध्यक्ष अमन तिगाला ने बताया कि एनएसयूआई ने मुख्यमंत्री और गृहमंत्री के तत्काल इस्तीफे की मांग की है, यह आरोप लगाते हुए कि राज्य में लड़कियों और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सरकार विफल रही है। यह हस्ताक्षर अभियान एनएसयूआई महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट आमिर शेख के आदेशानुसार पूरे महाराष्ट्र के हर जिले में कॉलेजों और शैक्षणिक संस्थानों के बाहर बूथ लगाकर जनता का समर्थन जुटाने के उद्देश्य से चलाया जाएगा। एनएसयूआई छात्रों को पत्र वितरित करेगी और उन्हें इस अभियान में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करेगी। छात्रों द्वारा हस्ताक्षर किए गए पत्रों को एकत्र करके मुख्यमंत्री और गृहमंत्री के कार्यालयों में भेजा जाएगा।

प्रोग्रेसिव्ह स्कूल ने मनाया राष्ट्रीय खेल दिवस

बुलंद-गोंदिया- श्रीमती उमाबाई बहुउद्देशीय शिक्षण संस्था, गोंदिया द्वारा संचालित प्रोग्रेसिव्ह ग्रुप ऑफ स्कूल में राष्ट्रीय खेल दिवस बडे ही उत्साह के साथ हॉकी के जादुगर कहलानें वाले और भारतीय हॉकी को स्वर्णिम युग दिलाने वाले महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को श्रध्दा सुमन अर्पित करते हुए मनाया गया। कार्यक्रम का आरंभ मुख्य अतिथी श्री अजयसिंग गौर (सेवानिवृत्त प्राचार्य मनोहर म्युनिसिपल हायस्कूल, गोंदिया), श्री. एस.एस. राठोड़ (सेवानिवृत्त प्राचार्य मनोहरभाई पटेल इंजिनिअरींग कॉलेज, गोंदिया), श्री. मेजर भोजराज कटरे (सेवानिवृत्त आर्मी ऑफिसर), संस्थाध्यक्ष डॉ. पंकज कटकवार, संस्था सचिव डॉ. निरज कटकवार के द्वारा माँ शारदे व मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा मशाल प्रज्वलित कर किया गया। खेल दिवस उत्सव में विद्यार्थीयों ने विविध खेल कार्यक्रम प्रस्तुत किए जिनमें लेंझिम, डम्बेल, रोप स्किपिंग, योग, कराटे, तायकांडो, स्केटिंग, तलवार बाजी, सेल्फ डिफेन्स, पिरामिड प्रमुख रुप से रहें। सभी उपस्थित मान्यवरों को विद्यार्थीयों ने मार्चपास्ट के द्वारा मान वंदना दी। विद्यार्थीयों की प्रस्तुतीयों की प्रशंसा करते हुए मुख्य अतिथीयों ने स्कूल प्रशासन को कार्यक्रम हेतु बधाई देते हुए खेल दिवस की शुभकामनाएँ दी। संस्थासचिव डॉ. निरज कटकवार ने विद्यार्थीयों को खेल का महत्व समझाते हुए पढ़ोगे लिखोंगें होगे नवाब, खेलोगे-कुदोगे होगे लाजवाब का नारा जीवन में उतारने का आग्रह किया। कार्यक्रम का मंच संचालन श्रीमती भावना मटाले व श्री. शहजाद पाठन ने किया। प्राचार्य ओ.टी. रहांगडाले, वाय. आशा राव, मीनाक्षी महापात्रा, विकास पटले, लिना रहांगडाले, भूमेश्वरी गौतम, कंचन चौधरी, क्रिडा शिक्षक हेमा नायडु, पियुष बोरसरे, इंदल लिल्हारे, दिगेश्वर चौरे, शाला कप्तान मा. रुद्र गंगभोज, कु. साक्षी नेवारे, मा. तन्मय कोटांगले, कु. पलक पटले व खेल प्रतिनिधी मा. आदित्य वरखडे, कु. समुद्धी चक्रे, मा. शिवकुमार सुवा तथा सभी शिक्षक शिक्षकेत्तर ने कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अथक प्रयास किया।

कोलते बने भंडारा के नए कलेक्टर

भंडारा-आगामी विधानसभा चुनाव से पहले 2010 बैच के आईएएस डॉ. संजय कोलते, जो वर्तमान में पीएमपीएमएल (पुणे महानगर परिवहन महामंडल लिमिटेड) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत हैं, जो भंडारा जिले का नया कलेक्टर नियुक्त किया गया है. डॉ. कोलते, योगेश कुंभेजकर की जगह लेंगे. अतिरिक्त मुख्य सचिव (जीएडी) ने इस संबंध में एक पत्र जारी किया है. डॉ. कोलते भारतीय प्रशासनिक सेवा में शामिल होने के बाद नागपुर में आयुक्त एमजीएनआरईजीएस और बाद में जिला परिषद, उस्मानाबाद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में शामिल हुए. उनके कार्यकाल के दौरान जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की और पोषण अभियान, 2018 में उत्कृष्ट कार्य के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार और जिले के लिए 2018-19 के पोषण अभियान में राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार प्राप्त किया. सितंबर 2020 में डॉ. कोलते को पुणे स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया.

पुलिस दादालोरा खिड़की योजना से तुमड़ीकसा शाला का हुआ कायाकल्प

देवरी-छत्तीसगढ़ सीमा पर अतिदुर्गम नक्सल प्रभावित देवरी तहसील के अंतिम छोर पर तुमड़ीकसा गांव बसा है। यहां के अनेक परिवार गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रहे हैं। साथ ही गांव में शिक्षा का भी अभाव है। विकास से कोसों दूर गांव की प्राथमिक शाला का पुलिस दादालोरा खिड़की योजना से पुलिस विभाग की ओर से कायाकल्प किया गया। शनिवार 31 अगस्त को विद्यार्थियों को शालेय सामग्री का वितरण कम्युनिटी पोलिसिंग के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोंदिया के पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे ने की। इस समय अपर पुलिस अधीक्षक नित्यानंद झा, उपविभागीय पुलिस अधिकारी विवेक पाटील, चिचगढ़ के थानेदार तुषार कालेल, नागपुर के माऊली सेवा संघ, रोटरी क्लब के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री मेरी शाला सुंदर शाला अभियान अंतर्गत चिचगढ़ पुलिस थानांतर्गत तुमड़ीकसा की प्राथमिक शाला की जीर्ण इमारत का कायाकल्प गोंदिया पुलिस दल के कम्युनिटी पोलिसिंग के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम के दौरान शालेय विद्यार्थियों को शालेय सामग्री, विविध प्रकरण के खिलौने, जैविक खाद बनाने के लिए लगनेवाली सामग्री, आंगनवाड़ी के विद्यार्थियों को लगनेवाली सामग्री का वितरण किया गया। पुलिस दल द्वारा किए गए इस कार्य की प्रशंसा की जा रही है। आभार प्रदर्शन थानेदार तुषार कालेल ने किया।

तेंदुए ने किया 5 बकरियों का शिकार

भंडारा-वनपरिक्षेत्र कार्यालय के अंतर्गत सहवन क्षेत्र जांभली/सड़क में तेंदुए ने तबेले में बंधी बकरियों पर हमला कर कुल 5 बकरियों के शिकार की घटना हुई. उक्त घटना 1 सितंबर को सुबह के दौरान जांभली/सड़क गांव में सामने आयी हैं. इस घटना में जांभली/सड़क निवासी शामराव नागदेवे (70) नामक पशुपालक के 4 बकरियां लगभग 28,000 रुपए के बकरियों की मौत हुई है. तथा जांभली/सड़क निवासी राजकुमार मेश्राम (40) नामक पशुपालक की 1 बकरी की मौत से 7 हजार रुपये, कुल 35 हजार रुपये के नुकसान हुआ है. ग्रामीण क्षेत्र के किसान एवं मजदूरों द्वारा खेती से पूरक व्यवसाय के रूप में पशुपालन किया जाता है. घटना के पीड़ित भी पिछले कुछ वर्षों से बकरियों के पालन का व्यवसाय कर रहे थे. घटना के एक दिन पूर्व पीड़ित पशुपालकों ने कुछ बकरियां मालिकी तबेले में बांधकर रखी थी. इस बीच रात के दौरान जंगल से भटककर गांव में घुसा तेंदुए ने तबेले में बंधी बकरियों पर हमला बोल दिया. इस हमले में भेड़ियों ने कुल 5 बकरियों का शिकार किया.

वीडियो गेम के आड़ में कसीनो का पर्दाफाश, 23 जुआरी गिरफ्तार

बुलंद-गोंदिया-शहर के छोटा गोंदिया इलाके में पुलिस ने वीडियो गेम पार्लर की आड़ में चलाए जा रहे जुआ के अड्डे का पर्दाफाश किया हैं। पुलिस ने छापामारी में यहां से 9 वीडियो गेम मशीनों, ताश की गड्डियां, नगद रकम, 13 मोबाइल सहित फर्नीचर, हिसाब रजिस्टर व अन्य सामान बरामद कर 23 जुआरीयों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जानकारी देते बताया जिला प्रशासन के मनोरंजन विभाग से वीडियो गेमिंग मशीन का लाइसेंस महज 640 रुपए वार्षिक शुल्क भरकर हासिल किया गया और वीडियो गेम पार्लर की आड़ में जुआ घर (कसीनो) चलाया जा रहा था। इस कसीनो के संचालक दो भाई बताए जा रहे हैं, जिस दुकान में जुआ चल रहा था उस शख्स (मालिक) पर भी अब पुलिस शिकंजा कस रही है। दरअसल गोंदिया शहर पुलिस को खबरी ने इस बात को पुख्ता जानकारी दी कि, शहर के छोटा गोंदिया स्थित गोवर्धन चौक पर कुमीत रमाकांत तिवारी (44) व उसके भाई विश्वनाथ रमाकांत तिवारी (43 निवासी गौशाला वार्ड गोंदिया) के गेम पार्लर में 52 तास पत्तों पर हारी-जीती का दांव लगाया जा रहा है। याने वीडियो गेम पार्लर को लाइसेंस मनोरंजन का है और यहां खेल, जुआ अड्डे का चल रहा है गेम पार्लर की आड़ में चल रहे जुआ अड्डे की सूचना मिलते ही शहर थाने के पुलिस उपनिरीक्षक मंगेश वानखेड़े अपनी टीम के साथ गौवर्धन चौक की ओर रवाना हुए और इलाके में स्थित गेम पार्लर पर दबिश दी जहां झूड के रूप में जुआरियों की टोली 52 ताश पत्तों पर जुए का खेल खेलने में मग्न थी। पुलिस को सामने देखते ही जुआरियों में हड़कंप मच गया और भगदड़ मची लेकिन पुलिस ने चारों ओर से घेरते हुए 23 जुआरियों को धर लिया। मौके से पुलिस ने 15 हजार 760 रुपये की नगद रकम, ताश पत्तों की 3 गड्डी, 18 प्लास्टिक कुर्सियां, 3 प्लास्टिक टेबल, 9 गेम पार्लर मशीन, 13 मोबाइल हैंडसेट इस तरह कुल 2 लाख 51 हजार 420 रुपये का माल अपने कब्जे में लिया।

पुलिस को देख लगे भागने रहे असफल

पुलिस की हुई रैड के दौरान कुछ ने चालाकी दिखा कर भागने की असफल कोशिश की लेकिन 23 जुआरी पकड़े गए आरोपियों में विजय हंसराज रहांगडाले (33) रा. गोवर्धन चौक, छोटा गोंदिया), स्वामी लिलाधर बाहे (36 रा. परसटोली, छोटा गोंदिया), निलेश सुरेश कोसरकर (29 रा. चावड़ी चौक), प्रकाश हिरालाल मेश्राम (52) रा. संविधान चौक, छोटा गोंदिया), आशिष सुरेश बागडे (28 रा. शारदा चौक छोटा गोंदिया), दिनेश वासुदेव बनकर (32) रा. चावड़ी चौक), विलास देवराव कानस्कर (31 रा. जनता कॉलोनी), शुभम ओमप्रकाश बरडे (19 रा. चिचबन मौहल्ला छोटा गोंदिया), लक्ष्मण लोकचंद वही (35 रा. चावड़ी चौक), राहुल छगनलाल चव्हान (29 रा. गोवर्धन चौक), गौरीशंकर गोवर्धन ब्राम्हणकर (39 रा. चिचबन मौहल्ला), इरफान शकील शेख (23 रा. संजयनगर गौदिया), रंजीत मनोहर डोंगरवार (34 रा. नागराज चौक), निलेश काकाजी चव्हान (33 रा. संजयनगर छोटा गोंदिया), राजकुमार उर्फ राहुल भरत भंडारकर (34 रा. चिचवन मौहल्ला), विकास मारोती नेवारे (38) रा. नागराज चौक), संजय उर्फ बालु सबसराम पारधी (38 रा. गोविंदपुर), राजेश जगन्नाथ शर्मा (56) रा. सांईनगर सिविल लाईन), तानु ग्यानीराम कटरे (40 रा. फेंडारकर वार्ड), दिपक बाबु भगत (45 रा. गोवर्धन चौक), दिपक विजय बलोने (33. रा. विठ्ठल रुखमाई मंदिर के पास छोटा गोंदिया) का समावेश है।

बहरहाल इस प्रकरण में सभी 23 आरोपियों के खिलाफ गोंदिया शहर थाने में अ.क. 561/24 की धारा 4, 5 महाराष्ट्र जुआ प्रतिबंधक कायदा के तहत जुर्म दाखिल किया गया है। आगे की जांच पोउपनि मंगेश वानखेड़े कर रहे है। उक्त कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अप्पर पुलिस अधीक्षक नित्यानंद झा, उपविभागीय पुलिस अधिकारी रोहिणी बनकर के मार्गदर्शन में सपोनि विजय गराड़, पोउपनि मंगेश वानखेड़े, सपोउपनि मिताराम गणवीर, पो.ह. आनंद धुवारे, पो. सि लेविस घरत, सुनिल कापसे, अमित पवार, सनोज सपाटे, प्रवीण कंसरे, विक्रम पंच द्वारा की गई।

बिना अनुमति मोबाइल टावर का निर्माण तहसील के ग्राम पंचायतों ने लगाई रोक

गोरेगांव-तहसील में इन दिनों एयरटेल मोबाइल कंपनी द्वारा अनेक ग्रामों में टावर निर्माण कार्य शुरू है. लेकिन ठेकेदार द्वारा स्थानीय ग्राम पंचायत से अनुमति लेना जरूरी नहीं समझा गया है. ऐसे में बिना अनुमति लिए ही टावर निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया. लेकिन कटंगी ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच तेजेंद्र हरिनखेडे द्वारा जब यह विषय उठाया गया तब जाकर स्थानीय ग्राम पंचायतों ने निर्माण कार्य में रोक लगाने के निर्देश जाहिर किए है जो समझ से परे है. जानकारी के अनुसार गोरेगांव तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या को देखते हुए एयरटेल मोबाइल कंपनी द्वारा ग्राम कटंगी, चीचगांव कमरगांव, पाथरी, बोटे जैसे गांवों में मोबाइल टावर लगाए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीणों को नेटवर्क की समस्या से निजात जरूर मिलेगी लेकिन स्थानीय ग्राम पंचायतों ने अनुमति को लेकर समस्या खड़ी कर दी है. 2 सितंबर को ग्राम कटंगी के पूर्व सरपंच तेजेंद्र हरिनखेडे द्वारा इस विषय को आड़े हाथों लिया गया, जिसमें निर्माण कार्य में तत्काल रोक लगा दी गई है. इस बीच ग्राम कटंगी सचिव रोशना भैसारे ने बताया कि मोबाइल कंपनी ने गांव में टावर निर्माण के लिए कोई भी आवेदन नहीं दिया है.

नहीं दी अनुमति

ग्राम पंचायत ने कोई भी अनुमति नहीं दी है. इसी तरह चिचगांव सरपंच भुवनेश्वरी रहांगडाले ने भी यही जानकारी दी है. साथ ही ग्राम पंचायत बोटे, पाथरी, कमरगांव से भी अनुमति नहीं ली गई है. ऐसे में टावर निर्माण कार्य तत्काल रोक देने के आदेश ग्राम पंचायत द्वारा दिए जाने की जानकारी प्राप्त हुई है. निर्माण कार्य ठेकेदार ने बताया कि उन्हें टावर निर्माण के लिए प्रशासन की मंजूरी प्राप्त है लेकिन ग्राम पंचायतों को इसकी जानकारी नहीं है, ऐसे में टावर निर्माण कार्य विवादों में दिखाई दे रहा है.

दुराचार से नाबालिग लड़की गर्भवती

भंडारा-लाखनी शहर के पास एक गांव के एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़के की अपने रिश्ते की 13 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ संबंध बनाने के बाद लड़की गर्भवती होने की घटना 1 सितंबर सामने आयी. मेडिकल जांच में घटना का खुलासा हुआ. इस घटना में नाबालिग पीड़िता और लड़का एक ही गांव के हैं और आपस में रिश्तेदार हैं. पीड़ित लड़की का मासिक धर्म बंद हो जाने के कारण 29 अगस्त को पीड़िता की मां उसे लाखनी के एक अस्पताल में ले गई. डॉक्टर ने लड़की की जांच की और बताया कि वह तीन महीने की गर्भवती है. यह सुनकर पीड़िता की मां को सदमा पहुंचा. जब मां ने बच्ची से पूछताछ की तो आरोपी ने अप्रैल से मई 2024 के बीच पीड़िता के साथ यौन संबंध बनाने की बात कबूल की. फिलहाल पीड़ित लड़की को गर्भपात के लिए जनरल हॉस्पिटल भंडारा में भर्ती कराया गया है.

34 लीटर महुआ शराब की गई जब्त

गोंदिया -गंगाझरी पुलिस ने अवैध शराब विक्रेताओं पर कार्रवाई करते हुए तीन लोगों से 34 लीटर महुआ शराब जब्त की. सेजगांव निवासी श्यामकला हटेला (55) से सिपाही शेफाली चव्हाण ने 10 लीटर शराब जब्त की. दूसरी कार्रवाई ग्राम कोहका में की गई. सिपाही निलकंठ कुंभरे ने सुरेंद्र पंधरे (28) से 10 लीटर शराब जब्त की. तीसरी कार्रवाई ग्राम मुंडीपार में की गई. जहां पर पुलिस ने आरोपी देवानंद मेश्राम (63) से 14 लीटर शराब जब्त की. आरोपियों के खिलाफ महाराष्ट्र शराब बंदी कानून के तहत मामला दर्ज किया.

गणेशोत्सव से पहले आनंदाचा शिधा मिलना मुश्किल

गोंदिया-महाराष्ट्र सरकार ने गणेशोत्सव के उपलक्ष में राज्य की सार्वजनिक वितरण प्रणाली की राशन दुकानों के माध्यम से लाभार्थी नागरिकों को आनंदाचा शिधा वितरित करने का निर्णय लिया है। आनंदाचा शिधा की एक किट लाभार्थियों को दी जाती है। इसमें एक किलो तेल, एक किलो रवा, एक किलो चना दाल एवं एक किलो शक्कर का समावेश होता है। 7 सितंबर से गणेशोत्सव प्रारंभ हो रहा है। जबकि 10 सितंबर को महालक्ष्मी का पर्व मनाया जाएगा। लेकिन गोंदिया जिले में अब तक राशन दुकानों में आनंदाचा शिधा वितरण के लिए उपलब्ध नहीं हुआ है। ऐसे में गणेश उत्सव से पूर्व राशन दुकानों से नागरिकों को आनंदाचा शिधा की किट मिलना फिलहाल तो मुश्किल ही नजर आ रहा है। गौरतलब है कि राज्य में महायुति की सरकार आने के बाद प्रमुख तीज-त्यौहारों के अवसर पर सामान्य नागरिकों को भी आनंदाचा शिधा के साथ त्यौहार मनाना संभव हो सके इसके लिए आनंदाचा शिधा की किट वितरण करने का निर्णय लिया गया था। त्योहार के सीजन में राज्य सरकार द्वारा गणेश उत्सव शुरू होने के पहले आनंदाचा शिधा देने की घोषणा करने के बाद नागरिकों में खुशी है। इस संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी प्रशांत इंगोले से जानकारी लेने पर उन्होने बताया कि फिलहाल अब तक इस किट में वितरित किए जाने वाले चार पदार्थों में से केवल रवा ही हमे वितरण के लिए प्राप्त हुआ है, जबकि अन्य सामग्री दो-चार दिन में मिलने की संभावना है। जिसके बाद ही सभी सामग्री एकसाथ मिलाकर राशन दुकानों के माध्यम से अंत्योदय कार्ड धारकों के साथ प्राधान्य कुटुंब लाभार्थियों को वितरित किए जाएंगा।

एक वर्ष के रिकॉर्ड अवधि में पुरा होंगा रेल्वे उडानपुल का निर्माण- गोपालदास अग्रवाल

दुर्गा चौक स्थित श्री दुर्गा मंदिर में सोलर विद्युतीकरण कार्य का शुभारंभ

बुलंद गोंदिया। गोंदिया शहर दुर्गा चौक स्थित श्री दुर्गा मंदिर में सोलर विद्युतीकरण कार्य का शुभारंभ पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के हस्ते, राधेश्याम अग्रवाल , दामोदर अग्रवाल, किसनलाल खंडेलवाल, वल्लभदास सोनी, वासुदेव बरबटे, गजाधर लिल्हारे, अशोक चौधरी, शहर अध्यक्ष अमित झा, पार्षद शकीलभाई मन्सुरी की प्रमुख उपस्थिती में संपन्न हुआ। प्रस्तावना रखते हुए अजय खंडेलवाल ने कहा कि, शहर के हृदयस्थल दुर्गा चौक के इस श्री दुर्गा मंदिर का निर्माण सभी समाजबंधुओं के प्रयत्नों से कुछ वर्ष पुर्व पुर्ण हुआ और हजारों की संख्या में श्रध्दालु मंदिर से जुडते चले गए। हम सभी ने मिलकर मंदिर की व्यवस्थाओं को सुसज्ज करने के लिये हर संभव प्रयत्न किये। पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने गोदिया के सभी देवस्थानों-सामाजिक संस्थानों के लिये शासन से निधी उपलब्ध करायी और इस दुर्गा मंदिर परिसर में विद्युती उत्पादन के लिये सोलर बिजली प्लांट लगाने हेत् 10 लाख रूपये की निधी आवंटित करायी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने कहा कि, गोंदिया एक धार्मिक नगरी है और निश्चित रूप से हमारे देवस्थानों से हजारों श्रध्दालुजुडे हुए है। जिस तरह राज्य सरकार अन्य जिलों में देवस्थानों-सामाजिक संस्थानों के सक्षमीकरण हेतु शासकीय निधी आवंटित करती है, हमने भी प्रयत्न किये और माताराणी के आशिर्वाद से शासन से 5 करोड रूपये की निधी मंजुर करायी है, जिससे मुख्यतः श्री रामदेवबाबा मंदिर के भव्य गुंबज, श्री झिरीया मंदिर का नवनिर्माण, मनोहर चौक स्थित शिव मंदिर का सौंदर्यीकरण, सरकारी कुए के पास के शिवमंदिर का सौंदर्यीकरण, सब्जी मंडी स्थिती श्री शीतला माता-नृसिंह मंदिर जिणोंध्दार, ग्राम नागरा स्थित प्राचीन शिव मंदिर का सौंदर्यीकण सहित अनेकों मंदिरों का जीर्णोंध्दार-नवनिर्माण किया जा रहा है। उक्त निधी से श्रीकृष्ण गौरक्षण सभा की पिंडकेपार गौशाला को भी हमने प्रयत्न कर 30 लाख रू.की स्वीकृत करायी है। पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने आगे कहा कि, माता राणी की कृपा से विगत वर्षों में हमने गोंदिया शहर के हर नागरीक को शहर सुविधा देने के प्रयत्न किये। नविन रेल्वे उड़ानपुल और बायपास मार्ग बनाया, वहीं शासकीय मेडीकल कॉलेज, हरू-तहरू नर्सिंग कॉलेज, शासकिय पॉलीटेक्सनीक कॉलेज जैसे संस्थान लाये। प्रशासन को चुस्त-दुरूस्त करने के लिये जयस्तंभ चौक पर भव्य प्रशासकीय इमारत निर्मित कर, किराये की इमारतों में दुर-दुर अलग-अलग जगह चल रहे सभी शासकीय कार्यालयों को एक स्थान पर लाकर जहां शासकीय कार्यप्रणाली को तेज किया, वहीं आम नागरीक को भी कुछ राहत देने में हम सफल रहे। जल्द ही राज्य में विधानसभा के चुनाव होने है और सबने आशिर्वाद दिया तो गत 5 वर्षों से प्रलंबित रेल्वे उडानपुल का निर्माण एक वर्ष के रेकॉर्ड समय में पुरा कराकर दिखाएंगे, वहीं शहर के पश्चिमी बायपास मार्ग जैसे कार्यों को पुर्ण कराकर गोंदिया शहर की व्यापारीक गतिविधियों को बढ़ाने और भविष्य में इस गोंदिया शहर के विकास में और अनेकों मिल के पत्थर जोडेंने का प्रयत्न रहेंगा, ऐसे उदगार पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने व्यक्त किये। इस अवसर पर किसनलाल जयपुरिया , किरण मुंदडा, रमेशचंद्र सोनी, कमलेश खोखरे, मोहनलाल खंडेलवाल, सतिश राठी, रितेश अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, सत्यनारायण खंडेलवाल, हेमेन्द्र पोददार, नारायण शर्मा, सुमित भालोटीया, मुस्कान ईसरका, मनिष अग्रवाल, पं कचरूजी शर्मा, जाहरचंद असाटी, पं विनोद तिवारी, पवन गोटे, अस्सु दवे, एड.शंकरलाल महादुले, नरेश जैन, सुरेश अग्रवाल (बाबा), राजकुमार खंडेलवाल, कमल पुरोहित, हरगोविंद अग्रवाल, रमेश अग्रवाल (आर.के.), रोशन अग्रवाल, हरिष पुजारा, शशी ईसरका, संतोष अग्रवाल (विकास), अजय खंडेलवाल, राजा ईसरका, आनंद प्रोहित, अमित अग्रवाल, पं.अशोक शर्मा, सुरेश लोहिया, विमल असाटी, पंकज अजमेरा, जुगनु बम्मा, विजयकुमार मुंदडा, अनिल पाटनी, मुकेश जलवाण्या (गुड्डू) महेन्द्र (मोंटू) पुरोहित, राम पुरोहित, चेतन पटेल, राजेश जोशी, मनोज एल.जोशी, रवि कासलीवाल, शशी गुप्ता, प्रकाश कोठारी, गणेश अग्रवाल, दिनेश एन, अग्रवाल, मोहन खंडेलवाल, स्योग खंडेलवाल, भैयालाल मोटघेरे, दासबाबु परिवार, दिलीप खंडेलवाल, देवेनद्र अग्रवाल, किशन शर्मा (पानीवाले), नवनित खंडेलवाल, सुशांत खंडेलवाल (विक्की), विक्की यादव, कान्हा यादव, अरोरा ट्रेडर्स, सतगुरू ट्रेडर्स, हरिष भावनानी, इंद्रेश निर्मल, कैलाश यादव, बबलु ठाकुर, अमित यादव व वॉर्डवासी बडी संख्या में उपस्थित थे।

स्कूल में तान्हा पोला मनाया

गोंदिया-मानवता पूर्व माध्यमिक स्कूल भीमनगर में मानवता कॉन्वेंट व पहिली, दूसरी के छात्रों का तान्हा पोला मनाया गया. अध्यक्षता प्रधानाध्यापक बी.एफ. बालपांडे ने की. प्रमुख अतिथि के रूप में एन.एन. उके, देशमुख, मेश्राम, बी.एस. भोयर, धनप्रिया कापसे, पूजा झोटे, एस.पी. शिवरकर, एस.बी. टेंभरे, एच.एम. बावने उपस्थित थे. कार्यक्रम की शुरुआत नंदी बैल की पूजा-अर्चना और माल्यार्पण से हुई. उसके बाद कॉन्वेंट के बच्चे और पहिली, दूसरी के जो बच्चों नंदी बैल लेकर आए. इसमें प्रथम स्थान इशिका सुरेंद्र शरणागत, द्वितीय हार्दिक गौरव ओमकारकर, तृतीय रेहान्स रजनीकांत मेश्राम ने हासिल किया. संचालन आर.एम. तिघारे ने किया व आभार एल.एम. शेंडे ने माना.

बंदर के हमले में जख्मी युवती की मौत

बुलंद गोंदिया।(संवाददाता आमगांव) - आमगांव तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम - सितेपार में बंदर के हमले में जख्मी 21 वर्षिय युवती की दर्दनाक मौत हो गयी है। प्राप्त जानकारी ले अनुसार घटना के संबंध में बताया गया है कि 23 अगस्त 2024 को ग्राम- सितेपार निवासी धनिराम चौधरी की पुत्री कुं, पायल उम्र 21 वर्ष यह घर के छत पर कपड़े सुखा रहीं थीइसी दौरान की बंदरो के झुंड में से एक बंदर ने युवती पर हमला कर दिया। बंदर के हमले से युवती छत से सिमेंट रोड पर गिरकर गयी। सिर पर गंभीर चोट आने से उसे गोंदिया के जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया! जख्म अधिक होने से उसे उपचार हेतु नागपुर रवाना किया गया! जहाँ उपचार के दौरान मेडीकल कॉलेज में 28 अगस्त 2024 को उसकी मौत हो गयी है।

एड, दुष्यंत किरसान की भेंट

इस दुखद घटना की खबर मिलते ही

गडचिरोली/ चिमुर के सांसद डॉ, नामदेवराव किरसान के पुत्र एड, दुष्यंत किरसान ने ग्राम - सितेपार पहुंच कर मृतक - पायल के परिवार को सात्वना भेट देकर गरिब भुमिहीन बेसहारा परिवार को आर्थिक मदद दिलाने हेतु वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग किया है। एड, दुष्यंत किरसान के साथ गोंदिया जिला कांग्रेस के सचिव - इसुलाल भालेकर, जिला पर्यावरण कांग्रेस के उपाध्यक्ष - अभय ढेंगे, आदिवासी नेता - यादवराव भोयर, सितेपार के सरपंच - देवराव बिसेन, पेंटर घनश्याम रहांगडाले, कौसल हरिणखेडे , लोकनाथ हरिणखेडे, कैलाश भोयर, आदि उपस्थितों ने श्रध्दासुमन अर्पित किया।

अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित

मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम

बुलंद गोंदिया। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अर्हता तिथि 1 जुलाई 2024 के आधार पर मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत अंतिम मतदाता सूची 30 अगस्त 2024 को जारी कर दी गई है। प्रकाशित प्रारूप मतदाता सूची में कुल मतदाताओं की संख्या 11 लाख 11 हजार 513 है, जिसमें 5 लाख 48 हजार 227 पुरुष, 5 लाख 63 हजार 274 महिला एवं 12 अन्य मतदाता शामिल हैं।

63-अर्जुनी मोरगांव निर्वाचन क्षेत्र में 2 लाख 56 हजार 953 मतदाता हैं. इसमें 1 लाख 28 हजार 194 पुरुष और 1 लाख 28 हजार 758 महिलाएं और 1 अन्य शामिल हैं। 64-तिरोदा विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 67 हजार 431 मतदाता हैं. इसमें 1 लाख 31 हजार 351 पुरुष और 1 लाख 36 हजार 80 महिलाएं और शून्य अन्य शामिल हैं। 65-गोंदिया निर्वाचन क्षेत्र में 3 लाख 20 हजार 337 मतदाता हैं. इनमें 1 लाख 55 हजार 920 पुरुष एवं 1 लाख 64 हजार 408 महिला एवं अन्य 9 मतदाता शामिल हैं। 66-आमगांव एसटी. आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र में 2 लाख 66 हजार 792 मतदाता हैं. इसमें 1 लाख 32 हजार 762 पुरुष और 1 लाख 34 हजार 28 महिलाएं और 2 अन्य शामिल हैं। उक्त अंतिम निर्वाचक सूची जिला निर्वाचन कार्यालय गोंदिया, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी का कार्यालय तथा सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं तहसीलदार का कार्यालय संबंधित विधानसभा क्षेत्रों 63-अर्जुनी मोरगांव, 64-तिरोदा, 65-गोंदिया एवं 66-आमगांव (एसटी) साथ ही उपजिला निर्वाचन अधिकारी किरण अंबेकर ने एक परिपत्र के माध्यम से जानकारी दी है कि इसे संबंधित मतदान केंद्र पर प्रकाशित किया जाएगा और आम नागरिकों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।

छत्रपति शिवाजी महाराज प्रतिमा की अवमानना करने वाले दोषियों पर हो कड़ी कार्रवाई- एड. योगेश अग्रवाल

राजकोट किले में शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने से देश के आदर्श शिवाजी महाराज के अपमान के संबंध में मा. राष्ट्रपति के नाम शहर काँग्रेस ने एसडीओ को सौंपा ज्ञापन

बुलंद गोंदिया। सिंधुदुर्ग जिले की मालवन तहसील के राजकोट किले में शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण 4 दिसंबर 2023 में भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था। महाराष्ट्र सरकार और भारत सरकार के दबाव में घटिया निर्माण और अनुभवहीन ठेकेदार के कारण यह प्रतिमा मात्र आठ महीने में ढह गई। इस घटना से न केवल महाराष्ट्र बल्कि पूरे देश के आदर्श शिवाजी महाराज का अपमान हुआ है और करोड़ों शिवप्रेमी आहत हुए हैं। एक तरफ 50-50, 100 साल पुरानी मूर्तियां आज भी ज्यों की त्यों खड़ी हैं, वहीं दूसरी तरफ महायुती के काल में मूर्तियां प्रधान मंत्री द्वारा अनावरण किये जाने के बाद भी केवल आठ महीनों में ढह रही है। कांग्रेस पार्टी मांग कर रही है कि ठेकेदारों, मूर्ति बनाने वाले मूर्तिकारों, निर्माण विभाग के अधिकारियों और जिन दोषियों द्वारा यह घटिया काम किया गया, उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए और महाराष्ट्र सरकार तत्काल इसका जवाब तलब करें ऐसी मांग गोंदिया शहर काँग्रेस अध्यक्ष ?ड योगेश अग्रवाल बापू ने की । इस मांग के साथ सभी काँग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओ ने उपविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। निषेध मोर्चे में एवं ज्ञापन सौपते हुये शहर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट योगेश अग्रवाल बापू, प्रदेश सचिव अमर वराडे, जिला उपाध्यक्ष जहीर अहमद, कृषि उत्पन्न बाजार समिति उपसभापति पप्पू पटले, कृष्ण बिभर शहर अध्यक्ष एनएसयूआई, सुशील खरकाते शहर अध्यक्ष ओबीसी विभाग, राजीव ठकरेले, अमन तिगाला, नगरत्न बनसोड, विष्णु नगरीकर, टी जी तुरकर, मंथन नंदेश्वर, योगेश भेलावे, कोटेश्वर जामवंत,भरत खापर्डे, पवन नागदेवे, जुनैद पठान, धनीराम बरईकर, कशिश चंद्रिकापुरे, नियाज अली सैयद, शैलेश जयसवाल, प्रकाश पाठक, हर्ष ग्वालवंशी, सौरभ चौहान देवचंद बिसेन, मनीष चौहान, दीपक बोरकर, भूपेंद्र वैद्य, राजेंद्र दुबे, रामभाऊ शेंडे, योगेश भेलावे, रमेश फूले, मोहनचंद्र पवार, अजय राहंगडाले, आकाश उके, राजा खान मंथन बोपचे, सार्थक बोरकर, हर्ष ग्वालवंशी, सुमित महाजन, अमन भोरे, ओमप्रकाश वंजारी, सौरभ चौहान, जुनैद पठान, देवेंद्र दमाहे आदि उपस्थित थे।

नकद सहित 39,800 रु. के आभूषण चोरी

गोंदिया-अर्जुनी मोरगांव थाने के तहत माहुरकुडा निवासी फिर्यादी विकास सुखदेव शहारे (55) के घर का ताला तोड़कर अज्ञात व्यक्ति ने अलमारी में रखे नगद 3500 रु. व 36 हजार 300 रु. के सोने-चांदी के आभूषण ऐसा कुल 39 हजार 800 रु. का माल चुरा लिया.

जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र के लिए 21 दिनों में करें पंजीकरण-डॉ. नितिन वानखेड़े, जिला स्वास्थ्य अधिकारी

बुलंद गोंदिया। जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र की आवश्यकता सरकारी कार्यों के साथ-साथ कई अन्य कार्यों के लिए भी होती है। इसके लिए सरकार ने अब जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए अहम बदलाव किए हैं। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नितिन वानखेड़े ने बताया है कि इस दस्तावेज का प्रमाण पत्र 21 दिन के भीतर मिल जायेगा. जन्म एवं मृत्यु जैसी महत्वपूर्ण घटनाओं को पोर्टल dc.crsorgi.gov.in पर ऑनलाइन दर्ज करने के निर्देश दिये गये। भविष्य में जिला अस्पतालों, ग्रामीण अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों जैसे स्वास्थ्य संस्थानों में जहां बच्चों का जन्म होता है, वहां के चिकित्सा अधिकारियों को अलग से लॉगिन सिस्टम दिया गया है और लोगों को जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए एक कार्य प्रणाली विकसित की गई है। उन स्थानों पर जहां जन्म और मृत्यु हुई है। साथ ही, स्वास्थ्य संस्थान के उपकेंद्र और सड़क पर हुई घटना के लिए उस क्षेत्राधिकार में आने वाली ग्राम पंचायत, नगर परिषद, नगर पंचायत को घटना को ऑनलाइन दर्ज करना और घटना का प्रमाण पत्र देना अनिवार्य है। बच्चों के स्कूल में नामांकन के लिए जन्म प्रमाण पत्र महत्वपूर्ण है, साथ ही कुछ कारणों से रिश्तेदारों को मृत्यु प्रमाण पत्र की भी आवश्यकता होती है। यह रिकार्ड किया गया है. इन दोनों सर्टिफिकेट पर बहुत सी बातें निर्भर करती हैं. अब जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए प्रमाण पत्र 21 दिनों के भीतर जारी किया जाएगा। साथ ही, यदि जन्म या मृत्यु की घटना के बाद पंजीकरण में देरी होती है, तो उचित शुल्क लेने के बाद जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए केंद्र सरकार की वेबसाइट का उपयोग किया जाता है। वेबसाइट में कुछ बदलाव किये गये हैं. नागरिक इन प्रमाणपत्रों के लिए घर बैठे ही आवेदन कर सकते हैं। इसके साथ ही घर बैठे प्रमाणपत्र प्राप्त करने की सुविधा भी उपलब्ध करायी गयी है। जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम और उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत जन्म और मृत्यु का पंजीकरण अनिवार्य है।

नि:शुल्क प्रमाणपत्र के लिए 21 दिन का पंजीकरण अनिवार्य

जन्म एवं मृत्यु का पंजीकरण घटना के 21 दिन के भीतर कराना अनिवार्य कर दिया गया है। यदि जन्म और मृत्यु घर पर या अस्पताल में होती है, तो संबंधित स्थान के स्थान के आधार पर, इसे वहां के कार्यालय में पंजीकृत करना होगा।

21 दिन बाद लगाने पर...

जन्म पंजीकरण में देरी के मामले में अलग-अलग शुल्क लागू होते हैं। यदि कोई जन्म प्रमाण पत्र के लिए जन्म के 30 दिनों के बाद और एक वर्ष के भीतर आवेदन करता है, तो प्राधिकारी की लिखित अनुमति और नोटरीकृत शपथ पत्र की आवश्यकता होती है।

ऑनलाइन आवेदन कैसे करें...

जन्म और मृत्यु पंजीकरण ऑनलाइन dc.crsorgi.gov.in वेबसाइट पर लॉग इन करें। साइट से जन्म प्रमाण पत्र पंजीकरण फॉर्म डाउनलोड कर रहे हैं। इसके बाद आपको एक प्रिंट मिल जाएगा. बच्चे के जन्म के 21 दिनों के भीतर फॉर्म को प्रासंगिक विवरण के साथ विधिवत भरना होगा। प्रमाणपत्र दिनांक, समय, जन्म स्थान, माता-पिता का आईडी प्रमाण, नर्सिंग होम आदि के सत्यापन के बाद जारी किया जाता है।

ऑनलाइन पंजीकरण करें...

सरकार ने इस सर्टिफिकेट को बनाने के लिए एक वेबसाइट dc.crsorgi.gov.in लॉन्च की है। जिसमें देश का कोई भी नागरिक जन्म प्रमाण पत्र के लिए आवेदन कर सकता है। साथ ही बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र भी इस वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है, इसके लिए ऑनलाइन प्रक्रिया महत्वपूर्ण है।

स्पेलिंग ऑनलाइन बदली जा सकती है...

केवल परिवार के सदस्य ही जन्म पंजीकरण में संशोधन कर सकते हैं। माता-पिता का नाम, उपनाम, पता, आधार नंबर आदि और स्पेलिंग सुधार ऑनलाइन किया जा सकता है।

तेज रफ्तार कार ने 3 को उड़ाया सभी गंभीर रूप से घायल

गोंदिया-सड़क किनारे बैठे दो व्यक्तियों सहित एक साइकिल सवार को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी है। यह घटना गोंदिया के पॉलिटेक्निक कालेज के सामने सोमवार को सुबह के समय घटित हुई। इस घटना का वीडियो तेजी से वायरल हुआ। इस घटना में तीन युवक गंभीर रूप से घायल बताए गए हैं। जिसमें गोरेगांव तहसील के कोसेटोला निवासी खोमेश उरकुड़े (24), कारंजा निवासी हेमराज राऊत (54) एवं फूलचुर निवासी कादीर शेख (38) का समावेश है। बता दें कि गोंदिया से कोहमारा जानेवाली सड़क पर हमेशा ट्राफिक बना रहता है। जिससे वाहन चालक सड़क किनारे बनी चाय टपरियों में अपने वाहनों को किनारे खड़े कर चाय पीने के लिए आते हैं। सोमवार को सुबह गोरेगांव से गोंदिया की ओर आ रही तेज रफ्तार कार ने पॉलीटेक्निक कालेज के सामने सड़क किनारे बैठे दो ट्रक चालकों सहित साइकिल से जा रहे व्यक्ति को टक्कर मार दी। इस घटना का वीडिओ सारे शहर में तेजी से वायरल हुआ। बहरहाल समाचार लिखे जाने तक पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज नहीं हुआ है। घायलों का इलाज गोंदिया के निजी अस्पताल में किया जा रहा है।

तेज रफ्तार कार पुलिस वाहन से टकराई

गोंदिया-आमगांव थाने के सरकारी वाहन को तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर -मार दी. इसमें वाहन में बैठे पुलिस उपनिरीक्षक घायल हो गये तथा चालक व अन्य कर्मचारियों को मामूली चोटें आई है. यह घटना आमगांव थाने के ग्राम गोरठा में घटित हुई. वाहन क्र. एमएच 35-एजी 6399 के चालक कटंगीकला निवासी सत्यप्रकाश यादोराव पटले (45) ने अपने वाहन को लापरवाहीपूर्वक चलाकर आमगांव थाने के शासकीय वाहन क्र. एमएच 35 - डी 0565 को सामने से तेज गति से टक्कर मार दी. जिसमें पुलिस उपनिरीक्षक शहारे घायल हो गए. जबकि वाहन चालक हवलदार योगेश मुनेश्वर और सिपाही अजय पटले को मामूली चोटें आई है. इस दुर्घटना में शासकीय वाहन का लगभग एक लाख रू. का नुकसान हुआ तथा स्वयं आरोपी सत्यप्रकाश पटले भी घायल हो गया.

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।